Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union

डिजिटाइजेशन और बिल्डुंग

- एक अवधारणा

BILDUNG

1. डिजिटल रूपांतरण के लिए बिल्डुंग को लागू करना

हमारे आधुनिक समाज में जीवन के अधिक से अधिक क्षेत्रों को, लगातार बढ़ता डिजिटल रूपांतरण, आकार दे रहा है। हमें इन बढ़ते अवसरों और चुनौतियों का सामना करना सीखना चाहिए। इस लेख में 'डिजिटाइजेशन और डिजिटल रूपांतरण' एक आलोचनात्मक सोच के परिप्रेक्ष्य के साथ बिल्डुंग की अवधारणा में अंतर्निहित हैं, जो चार प्रमुख स्तंभो से बना है, यानी हस्तांतरणीय ज्ञान, गैर-हस्तांतरणीय ज्ञान, जिम्मेदारी की भावना और नागरिक संलग्नता।

- हस्तांतरणीय ज्ञान: डिजिटलीकरण और डिजिटल रूपांतरण हस्तांतरणीय ज्ञान की उपलब्धता और पहुंच में काफी वृद्धि करते हैं तथा नए लक्ष्य समूहों तक पहुंचते हैं। हालांकि, डिजिटल उपकरण और डिजिटल स्थान, का उपयोग वंचित समूहों को बाहर करने के खतरे के साथ आता है, जिनके पास डिजिटल दक्षताओं की कमी हो सकती है।
- गैर-हस्तांतरणीय ज्ञान: पहली नजर में, गैर-हस्तांतरणीय ज्ञान को व्यक्त करने के लिए, डिजिटल मीडिया के पास बहुत सीमाएं प्रतीत होती हैं क्योंकि डिजिटल माध्यम व्यक्तिगत संचार की तरह, प्रत्यक्ष बातचीत की अनुमति नहीं देते हैं, कुछ भावनात्मक सम्पर्क की कमी होती है। हालाँकि, डिजिटल रूपांतरण लक्ष्य समूह के भावनात्मक पक्ष को संबोधित करने के लिए, नए और नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करने के

अवसर भी प्रदान करता है, जो दर्शकों तक अभूतपूर्व तरीके से पहुँच सकता है। संभावित रूप से समाज के कई पहलुओं से निपट सकता है।

- उत्तरदायित्व की भावना: बिल्डुंग अवधारणा का तीसरा स्तंभ सामाजिक कमियों के ज्ञान से आगे की गहरी समझ के लिए बढ़ने की चुनौती पेश करता है, जिसके परिणामस्वरूप समाज की बेहतरी में योगदान देने की जिम्मेदारी लेने की तत्परता होती है। नागरिकों की जिम्मेदारी के प्रति अपील करने और सक्रिय होने के लिए तत्परता पैदा करने की, डिजिटलाइजेशन और डिजिटल रूपांतरण में अंतर्निहित क्षमता है।
- नागरिक सशक्तिकरण: यह हमें बिल्डुंग अवधारणा के अंतिम स्तंभ तक ले जाता है, क्योंकि जिम्मेदारी की बढ़ती भावना के साथ डिजिटल रूपांतरण की नई संभावनाएं, नागरिक सशक्तिकरण के नए तरीकों की ओर ले जाने की क्षमता रखती है, अर्थात् डिजिटल गुंजाइश में संप्रेशण करना, एक दूसरे से और एक दूसरे के साथ सीखना, हमारे समाजों की चुनौतियों को साझा करना और समझना, और डिजिटल सक्रियता और नागरिक संलग्नता को एक साथ विकसित करके स्वयं जिम्मेदारी लेना।

आखिरकार, वर्तमान डिजिटल रूपांतरण हमारे सम्पूर्ण समाज को बदलने की प्रक्रिया में है, जिसमें डिजिटल दुनिया का उदय भी शामिल है जिसमें लोग वस्तुतः मिल सकते हैं। यह वयस्क शिक्षा के लिए बहुत ठोस चुनौतियों के साथ है जैसे कि डिजिटल डिवाइड, विशिष्ट उपकरणों या इंटरनेट तक पहुंच, और व्यक्ति और सार्वजनिक राय में हेरफेर करने के नए तरीके। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि व्यक्तिगत निजी कंपनियां, डिजिटल उपयोगकर्ताओं के व्यवहार की जांच करने के लिए एल्गोरिदम का उपयोग करती हैं और उन्हें उनके पिछले डिजिटल व्यवहार के अनुरूप जानकारी प्रदान करती हैं; इसका मतलब यह है कि कंपनियां सामाजिक विकास, रुझान, उपभोक्ता के व्यवहार और वैश्विक विचारों को प्रभावित कर सकती हैं।

बिल्डुंग अवधारणा हमें इन दूरगामी सामाजिक विकासों को न केवल व्यक्तिगत "साइलो" के दृष्टिकोण से देखने के लिए आमंत्रित करता है, बल्कि सौंदर्यशास्त्र और नैतिकता के सवालों से जुड़े राजनीतिक शक्ति, विज्ञान या अर्थव्यवस्था जैसे विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों को एक साथ लाने के लिए, और इस प्रकार इन परिवर्तनों पर एक महत्वपूर्ण और समग्र दृष्टिकोण अपनाने के लिए भी आमंत्रित करता है ।

2. उत्कृष्ट अभ्यास के उदाहरण

उत्कृष्ट अभ्यास के प्रस्तुत तीन उदाहरण डिजिटलकरण और डिजिटल रूपांतरण को बिल्डुंग अवधारणा के दृष्टिकोण के साथ जोड़ने का वर्णन करते हैं।

डिजिटल विलेज (ऑस्ट्रिया): यह परियोजना नगरपालिका भवनों के निवासियों को डिजिटल उपकरणों के बारे में जानने और स्मार्टफोन ऐप के उपयोग, ऑनलाइन खरीदारी के लिए सुरक्षित पासवर्ड बनाने आदि के बारे में बहुत ही व्यावहारिक प्रश्न पूछने की सामान्य शुरूआत के अवसर देती है। यह परियोजना बेहतर ज्ञान प्राप्त करने के माध्यम से, डिजिटल तकनीक से निपटने के लिए, हस्तांतरणीय ज्ञान पर केंद्रित है। लेकिन यह सामुदायिक सीखने का दृष्टिकोण, गैर-हस्तांतरणीय ज्ञान पर भी विचार करता है क्योंकि प्रतिभागियों को उनके समुदाय में संपर्क किया जाता है और उनके क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए सकारात्मक भावना की वृद्धि होती है। परियोजना का व्यापक

लक्ष्य लोगों के डिजिटल कौशल का विस्तार करके उनकी भागीदारी की संभावनाओं को बढ़ाना है; नागरिक संलग्नता को बढ़ावा दिया जा सकता है लेकिन यह इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य नहीं है।

माई ब्लॉसम चैनल (आयरलैंड): यह व्यक्तिगत सशक्तिकरण कार्यक्रम 15 से 20 वर्ष की उम्र के बीच बौद्धिक अक्षमता (आईडी) वाले युवाओं के लिए कौशल-आधारित प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करता है। ब्लॉसम आयरलैंड के कार्यक्रम बिल्डुंग सिद्धांतों के साथ अच्छी तरह से संरेखित होते हैं क्योंकि वे समग्र और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना पैदा करने का लक्ष्य हैं । पूरे पाठ्यक्रम में आत्म-नियमन और भावनाओं तथा विचारों की अभिव्यक्ति के इर्द-गिर्द नए कौशल सीखने के अवसर हैं। युवा लोग सीखते हैं कि उनके मत शक्तिशाली और सार्थक है और वे एक बदलाव ला सकते हैं - अपने तत्काल पर्यावरण और दुनिया में भी।

फिलिस्तीन (फिनलैंड और फिलिस्तीन) में मीडिया साक्षरता: यह मीडिया साक्षरता कार्यक्रम अन्य लोगों को प्रबुद्ध करने के लिए, समालोचनात्मक मीडिया साक्षरता विकसित करके और शिक्षण सामग्री तैयार करके, फिलिस्तीनी नागरिक समाज संगठनों को मजबूत करता है। इसके साथ ही कार्यक्रम, प्रदेश में लोगों के सूचना के अधिकार को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम लोगों की जागरूकता का विस्तार करता है और लोगों को डिजिटल मीडिया की चुनौतियों के बारे में समझाता है। अंततः कार्यक्रम का इरादा, कार्यक्रम के प्रतिभागियों को समाज में सक्रिय रूप से संलग्न होने और डिजिटल मीडिया को समझने और उपयोग करने के मामले में, बड़ी संख्या में जनता में बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

3. सिफारिशें

अवधारणा पत्र में वयस्क शिक्षा संस्थानों और प्रैक्टिशनर से सम्बद्ध नीति निर्माताओं और रूपरेखा तैयार करनेवाले हितधारकों के लिए सिफारिशें भी शामिल हैं।

3.1 बृहत स्तर पर

बृहत स्तर पर अनुशंसाओं (नीति निर्माताओं, राजनेताओं, निर्णयकर्ताओं आदि) का उद्देश्य बिल्डुंग की अवधारणा तथा वयस्क अधिगम और शिक्षा में डिजिटल मीडिया के उपयोग, दोनों के एकीकरण के लिए परिस्थितियों को सुदृढ़ करना है।

- कंपनियों को यह खुलासा करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके एल्गोरिदम कैसे काम करते हैं; डिजिटल दुनिया का रहस्योद्घाटन; उपयुक्त वित्तपोषण विकल्प उपलब्ध होने चाहिए; डिजिटल मीडिया समाज के सभी सदस्यों के लिए एक बुनियादी अधिकार होना चाहिए; समाचार सूचना पर पारदर्शी तथ्य-जांच- एक सामान्य आवश्यकता होनी चाहिए।

3.2 मेसो-स्तर

मेसो स्तर पर सिफारिशों का उद्देश्य वयस्क शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़ करना और ऐसी सिफारिशें सूत्रित करना है, जो वयस्क अधिगम और शिक्षा के क्रियात्मक कार्य में डिजिटल दृष्टिकोण और बिल्डुंग अवधारणा के एकीकरण का समर्थन करती हैं।

- संगठन के रोजमर्रा के काम में डिजिटल साधन और तरीके सम्मिलित होने चाहिए; कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और/या सहकर्मी से सीखने के अवसर, संगठन की संस्कृति का हिस्सा होने चाहिए; डिजिटलीकरण के लिए बिल्डुंग दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, इसके मूल्यों और समालोचनाओं को पाठ्यक्रम में जोड़ा जाना चाहिए; शिक्षार्थियों की डिजिटल अधिगम और शिक्षा तक पहुंच और लाभ होना चाहिए; शिक्षार्थियों के बीच डिजिटल विभाजन को बढ़ाने से बचना चाहिए।

3.3 सूक्ष्म स्तर

सूक्ष्म स्तर पर सिफारिशों का उद्देश्य प्रैक्टिशनर, जैसे प्रशिक्षकों, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षकों और शिक्षार्थियों को लक्षित करना है।

- शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं पर ध्यान दें; तकनीकी तेजी से बदलती है, बदलाव कदम दर कदम होना चाहिए; शिक्षार्थियों को उनके सीखने के वातावरण में प्रतिनिधित्व करने की जाना चाहिए; प्रैक्टिशनर अनुकूल परिणामों का सृजन करने के लिए प्रतिपुष्टि पर कार्य करेंगे; जागरूकता बढ़ाने वाली गतिविधियाँ की जानी चाहिए; डिजिटलीकरण को शैक्षणिक अवधारणाओं का अनुसरण करना चाहिए।